लोकमणि लाल पुरस्कार

(विद्यालय शिक्षण में उत्कृष्टता के लिए)

महर्षि पतंजलि विद्या मन्दिर समिति द्वारा शुभारम्भ

28 ए, शिलाखाना, तेलियरगंज, प्रयागराज–211004

फोन नं0 – 09335408970, 6390012408

ई–मेल–**mpvmsamiti@gmail.com**,

वेबसाइट–**www.mpvm.edu.in**

पत्रांक : एम.पी.वी.एम.समिति/एवार्ड/25 दिनांक : ....

सेवा में,

....

....

....

महोदय/महोदया

महर्षि पतंजलि विद्या मंदिर समिति के संस्थापक अध्यक्ष एवं दूरद्रष्टा स्व0 लोकमणि लाल जी ने एक उत्कृष्ट विद्यालनीय व्यवस्था के उद्देश्य से जुलाई 1986 में महर्षि पतंजलि विद्या मंदिर की स्थापना की। उन्होंने ब्रिटिश शिक्षा व्यवस्था के अन्धानुकरण को अस्वीकृत कर दिया तथा समृद्ध भारतीय सांस्कृतिक विरासत एवं मूल्यों तथा आधुनिक ज्ञान–विज्ञान में समन्वय स्थापित करने का प्रयास किया। उन्होंने एक ऐसे शैक्षिक केन्द्र की अभिकल्पना की थी, जहाँ समर्पित शिक्षकों द्वारा बच्चों की आन्तरिक क्षमताओं को विकसित कर उन्हें सुसंस्कृत एवं रचनात्मक व्यक्तियों के रूप में प्रतिष्ठित किया जा सके। उन्हें इतना समर्थ बनाया जाए कि वे राष्ट्र की उन्नति में अपनी सार्थक भूमिका निभा सकें।

महर्षि पतंजलि विद्या मंदिर समिति के अपने संस्थापक अध्यक्ष की स्मृति में विद्यालय की रजत जयन्ती के अवसर पर सन् 2011 से शिक्षा के क्षेत्र में अविस्मरणीय योगदान करने वाले प्रतिभाशाली शिक्षकों एवं शिक्षाविदों को सम्मानित करने की दिशा में एक पहल की है। समिति ने इस वर्ष भी अपने देश के सी0बी0एस0ई0, आई0एस0ई0, एवं यू0पी0 बोर्ड के सरकारी तथा गैर सरकारी विद्यालयों के अध्यापकों को पुरस्कृत करने का निर्णय लिया है। पुरस्कार हेतु निम्नलिखित छः वर्गों में अध्यापकों के नामांकन आमंत्रित किये जा रहे है।

1. उत्कृष्टता पुरस्कार – जीवन पर्यन्त प्राप्त उपलब्धियों के लिये (रू0 1,00,000/– नकद, सम्मानपत्र एवं ट्राफी)

2. उत्कृष्टता पुरस्कार – मूलभूत एवं प्राथमिक स्तर के विद्यालयों में शिक्षण के लिए (नर्सरी से कक्षा 5 तक) (रू0 51, 000/– नकद, सम्मानपत्र एवं ट्राफी)

3. उत्कृष्टता पुरस्कार – माध्यमिक स्तर विद्यालयों में शिक्षण के लिए (कक्षा 6 से 8 तक)

(रू0 51, 000/– नकद, सम्मानपत्र एवं ट्राफी)

4. उत्कृष्टता पुरस्कार – उच्च माध्यमिक स्तर विद्यालयों में शिक्षण के लिए (कक्षा 9 से 12 तक)

(रू0 51, 000/– नकद, सम्मानपत्र एवं ट्राफी)

5. उत्कृष्टता पुरस्कार – आर्थिक रूप से कमजोर एवं पिछड़े बच्चों को शिक्षित करने के लिए

(रू0 51, 000/– नकद, सम्मानपत्र एवं ट्राफी)

6. उत्कृष्टता पुरस्कार – आर्थिक रूप से वंचित, पिछड़ी हुई महिलाओं को शिक्षित करने के लिए

(रू0 51, 000/– नकद, सम्मानपत्र एवं ट्राफी)

आपका शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक अनुभव है। आपने अनेक उत्कृष्ट कार्य करने वाली शिक्षण संस्थाओं/ स्वैच्छिक संस्थाओं का मार्गदर्शन किया है। उपर्युक्त पुरस्कार हेतु सही अभ्यर्थी के चयन में आपका सहयोग नितान्त आवश्यक है।

आपसे अनुरोध है कि आप अपने मण्डल/जनपद के उत्कृष्ट प्रधानाचार्यों/शिक्षकों को उक्त पुरस्कार हेतु आवेदन करने के लिए प्रेरित करने का कष्ट करें। इस पत्र के साथ प्रधानाचार्य को सम्बोधित पत्र एवं प्रत्येक वर्ग के लिए निर्धारित आवेदन पत्र की पाँच–पाँच प्रतियाँ आपके पास प्रेषित की जा रही हैं। इच्छुक प्रधानाचार्य/शिक्षक निर्धारित प्रपत्र पर अपना आवेदन दिनांक **15 सितम्बर 2025** तक अथवा उससे पूर्व उपर्युक्त पते पर भेज सकते है।

पुरस्कार सम्बन्धी विस्तृत विवरण हमारी वेबसाइट www.mpvm.edu.in अथवा www.mpvmgg.com पर भी उपलब्ध है।

इस कार्यक्रम में निरन्तरता बनाये रखते हुए प्रतिवर्ष योग्य शिक्षकों को सम्मानित/पुरस्कृत करना हमारे लिये हर्ष व सौभाग्य का विषय है। आपके सहयोग से इस वर्ष भी हम अपने इस प्रतिष्ठित पुरस्कार हेतु योग्य पात्रों के चयन में निश्चित रूप से सक्षम होंगे। हम यह भी सूचित करना चाहते है कि इस कार्यक्रम में पुरस्कार हेतु महर्षि पतंजलि विद्या मंदिर समूह के शिक्षकों को नहीं चयनित किया जाता है।

आपसे निवेदन है कि योग्य पात्रों को **15 सितम्बर 2025** से पूर्व ही नामांकित करने की कृपा करें।

सधन्यवाद

भवदीय

(यशोवर्धन)
पुरस्कार – निदेशक

(डॉ0 कृष्णा गुप्ता)
सचिव
महर्षि पतंजलि विद्या मंदिर समिति